

# 类说校注

上册

〔宋〕曾慥 编纂 王汝涛等 校注

福建人民出版社



曾慥編纂

汝濤等校注

# 类说校注

下册

福建人民出版社

# 总 目

|               |        |
|---------------|--------|
| 曾慥原序 .....    | (1)    |
| 岳钟秀序 .....    | (1)    |
| 叶时序 .....     | (2)    |
| 类说目录 .....    | (1)    |
| 类说 .....      | (1)    |
| 附录            |        |
| 福建通志曾慥传 ..... | (1796) |
| 各家著录及题跋 ..... | (1796) |

# 类说目录

## 卷一

- 穆天子传 ..... (1)  
汉武帝内传 ..... (1)  
赵后外传 ..... (2)  
杨妃外传 ..... (2)  
列女传 ..... (3)

## 卷二

- 高士传 ..... (33)  
逸士传 ..... (33)  
襄阳耆旧传 ..... (33)  
邺侯家传 ..... (34)  
名臣传 ..... (34)

## 卷三

- 列仙传 ..... (57)  
神仙传 ..... (57)  
续仙传 ..... (58)  
王氏神仙传 ..... (59)  
高道传 ..... (59)

## 卷四

- 西京杂记 ..... (85)  
两京杂记 ..... (86)  
秦京杂记 ..... (86)  
番禺杂记 ..... (86)  
大业杂记 ..... (87)  
玉箱杂记 ..... (87)

青箱杂记 ..... (87)

## 卷五

- 燕北杂记 ..... (126)  
洞冥记 ..... (126)  
十洲记 ..... (127)  
拾遗记 ..... (127)  
冥祥记 ..... (129)

齐谐记 ..... (129)

## 卷六

- 续齐谐记 ..... (160)  
荆楚岁时记 ..... (160)  
秦中岁时记 ..... (160)  
洛阳伽蓝记 ..... (161)  
南部烟花记 ..... (161)  
河洛记 ..... (161)  
传记 ..... (162)  
景龙文馆记 ..... (162)  
御史台记 ..... (162)  
封氏闻见记 ..... (163)  
开天传信记 ..... (163)  
庐陵官下记 ..... (164)  
海物异名记 ..... (164)

## 卷七

- 唐宝记 ..... (204)  
水衡记 ..... (204)

|            |       |       |            |       |       |
|------------|-------|-------|------------|-------|-------|
| 名画记        | ..... | (204) | 定命录        | ..... | (352) |
| 教坊记        | ..... | (204) | 唐余录        | ..... | (353) |
| 庐山记        | ..... | (205) | 稽神录        | ..... | (353) |
| 诸山记        | ..... | (205) | 异人录        | ..... | (353) |
| 海棠记        | ..... | (205) | <b>卷十三</b> |       |       |
| 献替记        | ..... | (206) | 树萱录        | ..... | (378) |
| 东观奏记       | ..... | (206) | 北户录        | ..... | (378) |
| 金銮密记       | ..... | (206) | 潇湘录        | ..... | (379) |
| 原化记        | ..... | (206) | 羯鼓录        | ..... | (379) |
| 搜神记        | ..... | (207) | 琵琶录        | ..... | (379) |
| <b>卷八</b>  |       |       | 归田录        | ..... | (380) |
| 述异记        | ..... | (237) | 花木录        | ..... | (381) |
| 广异记        | ..... | (238) | 使辽录        | ..... | (381) |
| 集异录        | ..... | (238) | 茶录         | ..... | (381) |
| 录异记        | ..... | (239) | <b>卷十四</b> |       |       |
| 卓异记        | ..... | (239) | 启颜录        | ..... | (424) |
| 乘异记        | ..... | (239) | 因话录        | ..... | (424) |
| <b>卷九</b>  |       |       | <b>卷十五</b> |       |       |
| 仇池笔记（上）    | ...   | (273) | 谈宾录        | ..... | (444) |
| <b>卷十</b>  |       |       | 剧谈录        | ..... | (444) |
| 仇池笔记（下）    | ...   | (300) | 贾氏谈录       | ..... | (444) |
| <b>卷十一</b> |       |       | 晋公谈录       | ..... | (445) |
| 幽明录        | ..... | (326) | 先公谈录       | ..... | (445) |
| 幽怪录        | ..... | (326) | 侯鲭录        | ..... | (445) |
| 芝田录        | ..... | (327) | <b>卷十六</b> |       |       |
| <b>卷十二</b> |       |       | 松窗杂录       | ..... | (477) |
| 纪异录        | ..... | (352) | 明皇杂录       | ..... | (477) |

|             |       |       |             |       |       |
|-------------|-------|-------|-------------|-------|-------|
| 乐府杂录        | ..... | (478) | 南唐近事        | ..... | (647) |
| 见闻杂录        | ..... | (479) | <b>卷二十二</b> |       |       |
| 倦游杂录        | ..... | (479) | 荆湖近事        | ..... | (679) |
| <b>卷十七</b>  |       |       | 金坡遗事        | ..... | (679) |
| 东轩杂录        | ..... | (524) | 东斋记事        | ..... | (679) |
| 沂公笔录        | ..... | (525) | <b>卷二十三</b> |       |       |
| 集古目录        | ..... | (525) | 博物志         | ..... | (703) |
| <b>卷十八</b>  |       |       | 续博物志        | ..... | (704) |
| 江南野录        | ..... | (556) | 物类相感志       | ..... | (704) |
| 湘山野录        | ..... | (556) | 宣室志         | ..... | (705) |
| 云斋广录        | ..... | (557) | <b>卷二十四</b> |       |       |
| <b>卷十九</b>  |       |       | 博异志         | ..... | (729) |
| 异闻录         | ..... | (586) | 独异志         | ..... | (729) |
| 骇闻录         | ..... | (586) | 粗异志         | ..... | (729) |
| 见闻录         | ..... | (586) | 括异志         | ..... | (729) |
| 三朝圣政录       | ..... | (587) | <b>卷二十五</b> |       |       |
| 春明退朝录       | ..... | (588) | 炙毅子         | ..... | (749) |
| 幕府燕闲录       | ..... | (588) | 玉泉子         | ..... | (750) |
| 吉凶影响录       | ..... | (588) | 金华子         | ..... | (750) |
| <b>卷二十</b>  |       |       | 淮南子         | ..... | (750) |
| 传灯录         | ..... | (617) | <b>卷二十六</b> |       |       |
| <b>卷二十一</b> |       |       | 国史异纂        | ..... | (769) |
| 汉武帝故事       | ..... | (645) | 国史补         | ..... | (769) |
| 开元天宝遗事      | ..... | (645) | 后史补         | ..... | (771) |
| 明皇十七事       | ..... | (647) | 五代史补        | ..... | (771) |
| 大中遗事        | ..... | (647) | <b>卷二十七</b> |       |       |
| 大唐遗事        | ..... | (647) | 逸史          | ..... | (805) |

|             |       |        |             |       |        |
|-------------|-------|--------|-------------|-------|--------|
| 唐宋遗史        | ..... | (805)  | 集韵          | ..... | (1046) |
| 南唐野史        | ..... | (806)  | 本草          | ..... | (1047) |
| 外史梼杌        | ..... | (806)  | 事始          | ..... | (1048) |
| 史遗          | ..... | (807)  | 意林          | ..... | (1049) |
| <b>卷二十八</b> |       |        | 迂书          | ..... | (1049) |
| 异闻集         | ..... | (830)  | <b>卷三十六</b> |       |        |
| <b>卷二十九</b> |       |        | 战国策         | ..... | (1078) |
| 丽情集         | ..... | (854)  | 风俗通         | ..... | (1079) |
| 灵怪集         | ..... | (854)  | 甘泽谣         | ..... | (1079) |
| 鸡跖集         | ..... | (854)  | 古今注         | ..... | (1079) |
| 资暇集         | ..... | (855)  | 蜀本纪         | ..... | (1080) |
| <b>卷三十</b>  |       |        | 齐职制         | ..... | (1080) |
| 新序          | ..... | (883)  | <b>卷三十七</b> |       |        |
| 说苑          | ..... | (883)  | 内经          | ..... | (1112) |
| <b>卷三十一</b> |       |        | 难经          | ..... | (1113) |
| 世说          | ..... | (917)  | 黄庭经         | ..... | (1113) |
| 续世说         | ..... | (918)  | 神异经         | ..... | (1114) |
| <b>卷三十二</b> |       |        | 山海经         | ..... | (1114) |
| 传奇          | ..... | (947)  | 相马经         | ..... | (1114) |
| 语林          | ..... | (947)  | 相鹤经         | ..... | (1114) |
| <b>卷三十三</b> |       |        | 相牛经         | ..... | (1114) |
| 真诰          | ..... | (977)  | <b>卷三十八</b> |       |        |
| <b>卷三十四</b> |       |        | 孔子家语        | ..... | (1137) |
| 摭言          | ..... | (1002) | 韩诗外传        | ..... | (1138) |
| 摭遗          | ..... | (1004) | <b>卷三十九</b> |       |        |
| <b>卷三十五</b> |       |        | 七书孙子        | ..... | (1170) |
| 尔雅          | ..... | (1046) | 吴子          | ..... | (1171) |

|             |       |        |             |       |        |
|-------------|-------|--------|-------------|-------|--------|
| 尉缭子         | ..... | (1171) | 南楚新闻        | ..... | (1356) |
| 司马法         | ..... | (1171) | 岭表录异        | ..... | (1357) |
| 黄石公三略       | ..... | (1171) | 三水小牍        | ..... | (1357) |
| 六韬          | ..... | (1172) | 大唐传载        | ..... | (1357) |
| 李卫公问对       | ..... | (1172) | 圣宋掇遗        | ..... | (1357) |
| <b>卷四十</b>  |       |        |             |       |        |
| 稽神异苑        | ..... | (1195) | <b>卷四十六</b> |       |        |
| 朝野金载        | ..... | (1195) | 青琐高议        | ..... | (1380) |
| 三辅黄图        | ..... | (1196) | 续青琐高议       | ..... | (1381) |
| <b>卷四十一</b> |       |        |             |       |        |
| 南部新书        | ..... | (1217) | <b>卷四十七</b> |       |        |
| 云溪友议        | ..... | (1218) | 遁斋闲览        | ..... | (1405) |
| <b>卷四十二</b> |       |        |             |       |        |
| 酉阳杂俎        | ..... | (1248) | <b>卷四十八</b> |       |        |
| <b>卷四十三</b> |       |        |             |       |        |
| 北梦琐言        | ..... | (1280) | 墨客挥犀        | ..... | (1431) |
| 幽闲鼓吹        | ..... | (1282) | <b>卷四十九</b> |       |        |
| 法苑珠林        | ..... | (1283) | 地理新书        | ..... | (1447) |
| 醉乡日月        | ..... | (1283) | 修真秘诀        | ..... | (1447) |
| 文心雕龙        | ..... | (1283) | 汉上题襟        | ..... | (1447) |
| <b>卷四十四</b> |       |        |             |       |        |
| 颜氏家训        | ..... | (1324) | 籍川笑林        | ..... | (1448) |
| 苏氏演义        | ..... | (1325) | 殷芸小说        | ..... | (1448) |
| 杜阳杂编        | ..... | (1325) | 卢氏杂说        | ..... | (1449) |
| 齐民要术        | ..... | (1326) | <b>卷五十</b>  |       |        |
| <b>卷四十五</b> |       |        |             |       |        |
| 尚书故实        | ..... | (1356) | 佛书杂说        | ..... | (1477) |
| 南楚新闻        | ..... | (1356) | 孔氏杂说        | ..... | (1477) |
| 岭表录异        | ..... | (1357) | 缙绅脞说        | ..... | (1477) |
| 三水小牍        | ..... | (1357) | <b>卷五十一</b> |       |        |
| 大唐传载        | ..... | (1357) | 古乐府         | ..... | (1494) |
| 圣宋掇遗        | ..... | (1357) | 乐府解题        | ..... | (1494) |
|             |       |        | 本事诗         | ..... | (1495) |

津阳门诗 ..... (1496)

诗品 ..... (1496)

诗苑类格 ..... (1497)

续金针格 ..... (1497)

### 卷五十二

纪闻谈 ..... (1540)

桂苑丛谈 ..... (1540)

戎幕闲谈 ..... (1540)

秘阁闲谈 ..... (1540)

牧竖闲谈 ..... (1541)

翰府名谈 ..... (1541)

国老闲谈 ..... (1541)

灯下闲谈 ..... (1542)

### 卷五十三

谈薮 ..... (1564)

谈苑 ..... (1564)

### 卷五十四

隋唐嘉话 ..... (1587)

刘禹锡嘉话 ..... (1588)

茅亭客话 ..... (1588)

玉堂闲话 ..... (1589)

### 卷五十五

玉壶清话 ..... (1617)

杂说 ..... (1617)

冷斋夜话 ..... (1618)

大酒清话 ..... (1619)

渔樵闲话 ..... (1619)

### 卷五十六

古今诗话 ..... (1653)

欧公诗话 ..... (1654)

温公诗话 ..... (1654)

刘贡父诗话 ..... (1655)

### 卷五十七

王直方诗话 ..... (1688)

陈辅之诗话 ..... (1689)

西清诗话 ..... (1689)

### 卷五十八

墨薮 ..... (1723)

书断 ..... (1723)

法书苑 ..... (1723)

画品 ..... (1724)

续画品 ..... (1724)

画后品 ..... (1725)

画断 ..... (1725)

法帖释文 ..... (1725)

### 卷五十九

文房四谱 ..... (1750)

砚谱 ..... (1750)

香谱 ..... (1751)

香后谱 ..... (1751)

酒谱 ..... (1752)

### 卷六十

拾遗类总 ..... (1775)

# 类说卷三十目录

## 新序

|        |       |         |       |
|--------|-------|---------|-------|
| 两头蛇    | (885) | 国家大患    | (891) |
| 虞丘子贤相  | (885) | 宋昭反国    | (891) |
| 史鱼尸谏   | (885) | 宋玉见襄王   | (892) |
| 君仁者臣直  | (886) | 鸡有五德    | (892) |
| 腹下毳背上毛 | (886) | 叶公好龙    | (893) |
| 天下有五墨墨 | (887) | 楚丘先生    | (893) |
| 中行氏先亡  | (887) | 闾丘印见宣王  | (893) |
| 景公不以人祠 | (888) | 灵公凿池    | (894) |
| 国有妖    | (888) | 饮酒五日五夜  | (894) |
| 反裘负刍   | (888) | 兔雁食粃    | (895) |
| 国是     | (888) | 不受鱼     | (895) |
| 疑狱     | (889) | 白胜公纳剑   | (895) |
| 吞蛭     | (889) | 袁旌不食盗   | (896) |
| 无忘在莒   | (890) | 泽及朽骨    | (896) |
| 善善恶恶   | (890) | 学可以安国保民 | (896) |
| 好学受规谏  | (890) | 折冲      | (897) |
| 翰林宿儒   | (890) | 丑妇无盐    | (897) |
| 李韩书词   | (891) | 梦恶      | (898) |

## 说苑

|         |       |         |       |
|---------|-------|---------|-------|
| 三惧      | (898) | 成汤六事    | (899) |
| 三不祥     | (898) | 子贡未知为下人 | (899) |
| 不见妖孽祷山川 | (899) | 少事长贱事贵  | (900) |

|         |       |         |       |
|---------|-------|---------|-------|
| 为亲负米    | (900) | 酒入舌出    | (909) |
| 年七十欲学   | (900) | 哭有三失    | (910) |
| 愚公之谷    | (901) | 鄂君绣被    | (910) |
| 上溢下漏    | (901) | 事不两隆    | (910) |
| 治国之道曰爱民 | (901) | 民有五死    | (911) |
| 更法      | (902) | 终身之忧    | (911) |
| 闭心      | (902) | 萍实      | (911) |
| 子路治蒲    | (902) | 忘其妻忘其身  | (911) |
| 治天下如运诸掌 | (903) | 鼓琴声悲    | (912) |
| 郑人涉水    | (903) | 介子推相荆   | (912) |
| 妇人而丈夫饰  | (903) | 天下之士至   | (912) |
| 爱兼屋上鸟   | (903) | 孔子叹     | (912) |
| 斗者终身之祸  | (904) | 进贤为贤    | (913) |
| 子路持剑    | (904) | 逐高缭     | (913) |
| 为室美     | (905) | 楚王遗弓    | (913) |
| 年老而自养   | (905) | 五耻      | (913) |
| 钓道二     | (905) | 好称人恶    | (914) |
| 分地      | (906) | 惠王听谗    | (914) |
| 三逐五去    | (906) | 商日益赐日损  | (914) |
| 茅焦谏秦皇   | (906) | 事君所以为亲  | (914) |
| 平公罢台    | (907) | 鲁侯走齐    | (915) |
| 臣笑其旷也   | (907) | 老子问常枞   | (915) |
| 谔谔而昌    | (908) | 治国尊贤贱不肖 | (915) |
| 欹器      | (908) | 臣请浮君    | (915) |
| 五寒      | (908) | 向隅不乐    | (916) |
| 春秋有忽然亡者 | (908) | 食马得酒    | (916) |
| 水可以亡人之国 | (909) | 孔子犹江海   | (916) |

# 类说卷之三十

## 新序<sup>①</sup>

### 两头蛇<sup>②</sup>

孙叔敖<sup>③</sup>儿时出游，归而泣。母问其故，对曰：“见两头蛇者必死<sup>④</sup>，予向者见之，因而忧泣<sup>⑤</sup>。”母曰：“蛇今安在？”曰：“恐他人又见，杀而埋之。”母曰：“有阴德者，必有阳报<sup>⑥</sup>，汝今不死也。”

①《新序》：十卷。汉刘向撰。此书版本较多，今依商务印书馆《万有文库》（下称《万有》）、《龙溪精舍丛书》（据铁华馆宋版校本）、《四部丛刊》本校。

②本篇见《新序·杂事》。

③孙叔敖：春秋时楚国人，楚庄王任为令尹，勤治国政，使楚日益富强。

④《万有》本作“闻见两头之蛇者死”。

⑤《万有》本作“恐去母而死也”。

⑥《万有》本作“吾闻有阴德者，天报以福”。

### 虞丘子贤相<sup>①</sup>

楚庄王罢朝而晏<sup>②</sup>，楚姬问其故，王曰：“与贤相虞丘子语，不知日之晏也。”樊姬笑曰：“虞丘为相数十年，未尝进一贤。知而不进，是不忠也；不知，是不知也；安得为贤<sup>③</sup>！”虞丘子于是辞位而进孙叔敖，王卒以霸。

①本篇见《新序·杂事》。

②原作“宴”，据《龙溪精舍》本改。

③《龙溪》本下有：“明日朝，王以樊姬之言告虞丘子。”

### 史鱼尸谏<sup>①</sup>

史䲡字子鱼，病且死，谓子曰<sup>②</sup>：“吾不能进蘧伯玉，退弥子

瑕，生不能正君，死不当成礼，置尸北堂足矣。”鮷死，灵公往吊丧<sup>③</sup>，其子具言<sup>④</sup>。公曰<sup>⑤</sup>：“夫子生而进贤退不肖，死以尸谏，可谓忠矣！”乃召蘧伯玉为卿，退弥子瑕，徙丧正堂，成礼而后返。卫<sup>⑥</sup>以治。

①本篇见《新序·杂事》

②《万有》本下有“我即死，治丧于北堂”八字。

③《万有》本作：“灵公往弔，见丧在北堂，问其故。”

④《万有》本作“具以父言对灵公”。

⑤《万有》本作“灵公蹶然易容，寤然失位曰”

⑥《万有》本下有“国”字。

### 君仁者臣直<sup>①</sup>

魏文侯问士大夫曰：“寡人何如君也？”皆曰：“仁君也。”翟璜曰<sup>②</sup>：“君伐中山，不封弟而封子，以此知君非仁君也。”文侯怒，逐璜出。任座曰<sup>③</sup>：“君，仁君也。”曰：“子何以言之？”曰：“其君仁者其臣直<sup>④</sup>，璜之言直，是以知君仁君也。”文侯曰：“善。”拜璜为上卿。

①本文见《新序·杂事》。

②《龙溪》本此句上，有“次至”二字。

③此句上，《龙溪》本有：“次至任座，文侯问：‘寡人何如君也？’

④《龙溪》本此句上有“臣闻之”三字。

### 腹下毳背上毛<sup>①</sup>

晋平公<sup>②</sup>浮西河，叹曰：“安得贤士共此乐者！”舟人固桑曰<sup>③</sup>：“剑产于越，珠产江汉，玉产昆山，三宝<sup>④</sup>皆无足而至。君苟好士，贤士至矣。”公曰：“吾食客三千，朝食不足，暮收市租，暮食不足，朝收市租，尚何不好士乎<sup>⑤</sup>？”固桑曰：“鸿鹄高飞，所恃者，六翮耳，腹下之毳，背上之毛，增之<sup>⑥</sup>一把，飞不为高下，不知君

之食客六翻耶，将腹背之毳毛耶？”

①本篇见《新序·杂事》。

②晋平公：名彪，悼公之子；一作赵简子。

③《万有》本下有“君言过矣”句。

④《万有》本作“此三宝者”。

⑤《万有》本作“吾尚可谓不好士乎？”

⑥《万有》本作“去”

## 天下有五墨墨<sup>①</sup>

晋平公谓师旷曰：“甚矣<sup>②</sup>！子之墨墨也。”对曰：“天下有五墨墨，臣不得与<sup>③</sup>焉。群臣行赂以采名<sup>④</sup>，百姓侵冤无所诉<sup>⑤</sup>，一也；忠臣不用，用臣不忠，下才处高，不肖临贤<sup>⑥</sup>，二也；奸臣欺诈，府库空虚<sup>⑦</sup>，三也；国贫民怨，上下不和<sup>⑧</sup>，四也；至道不明，法令不行<sup>⑨</sup>，五也。国有五墨墨而不危者，未之有也。臣之墨墨，小墨墨耳，何害乎国家哉！”

①本文见《新序·杂事》

②《龙溪》本作：“子生无目朕，甚矣！”

③原作“语”，据《龙溪》本改。

④《龙溪》本此句上，有“平公曰：何谓也？师旷曰”三句。下有“善”字。

⑤《龙溪》本“诉”上有“告”字，下有“而君不悟”四字。

⑥《龙溪》本下有“而君不悟”四字。

⑦《龙溪》本下有：“以其少才覆塞其恶，贤人逐，奸邪贵，而君不悟。”

⑧《龙溪》本下有：“而好财用兵嗜欲无厌，谄谀之人容容在旁，而君不悟。”

⑨《龙溪》本下有：“吏民不正，百姓不安，而君不悟。”

## 中行氏先亡<sup>①</sup>

赵文子问叔向曰：“晋六军孰先亡<sup>②</sup>？”对曰：“中行氏为政，以苛为察，以欺为诚<sup>③</sup>，以刻为忠，以计多为善，以聚敛为良，其尊革<sup>④</sup>。大则大矣，裂之道也，当先亡。”

①本文见《新序·杂事》。

②《龙溪》本为“晋六将军孰先亡乎”。句下有：“对曰：‘其中行氏乎？’文子曰：‘何故先亡？’”

③《龙溪》本为“明”。

④《龙溪》本作“譬之其犹尊革者也”。

### 景公不以人祠<sup>①</sup>

齐景公时，大旱三年，卜之曰“必以人祠<sup>②</sup>。”公曰：“凡吾所以求雨者，为吾民也，今必以人祠乃雨，寡人将自当之。”言未卒，而天<sup>③</sup>雨。

①本篇见《新序·杂事》。

②《万有》本下有“乃雨”二字。

③《万有》本下有“大”字。

### 国 有 妖<sup>①</sup>

武王胜殷得二虏，问曰：“而国有妖乎？”一虏曰：“昼见星而夏雨雪，此吾国之妖也。”一虏曰：“吾国子不听父，弟不听兄，君令不行，此妖之大者也。”

①本文见《新序·杂事》。

### 反 裳 负 尜<sup>①</sup>

魏文侯出游，见路人反裳而负刍。文侯问，对曰：“臣爱其毛。”文侯曰：“若不知<sup>②</sup>里尽而毛无所恃耶？”

①本篇见《新序·杂事》。

②万有本下有“其”字。

### 国 是<sup>①</sup>

楚庄王问孙叔敖曰：“寡人未得所以为国是也。”敖曰：“国之

有是，众非之所恶也，臣恐王之不能定也。”王曰：“愿相<sup>②</sup>国与诸侯士大夫共定国是，寡人岂敢以褊国骄士民哉！”

①本篇见《新序·杂事》。

②原作“举”，据《万有》本改。

## 疑 狱<sup>①</sup>

梁有疑狱，群臣率以为无罪<sup>②</sup>，虽梁王亦疑，召陶朱公问之。公曰：“臣家有二白璧，其色相如也，其径相如也，其泽相如也，然其价一者千金，一者五百金。”王曰：“何也？”曰：“侧而视之，一者厚倍，是以千金。”王曰：“善”。故狱疑则从去，赏疑则从予，梁国大悦。由是观之，墙薄则亟坏，缯薄则亟裂，器薄则亟毁，酒薄则亟酸。夫薄而可<sup>③</sup>久者，殆未有也，故有国畜民施政教者，宜厚之而可耳。

①本篇见《新序·杂事》。

②《万有》本作“群臣半以为当罪，半以为无罪。”

③《万有》本下有“以旷日持”四字。

## 吞 蚓<sup>①</sup>

楚惠王食寒菹而得蛭，因吞之，腹有疾不能食。令尹问疾<sup>②</sup>。王曰：“食菹得蛭，念<sup>③</sup>谴而行其诛，则庖宰、食监法皆当死，心又不忍，恐蛭去见也<sup>④</sup>，因吞之。”令尹<sup>⑤</sup>曰：“君有仁德<sup>⑥</sup>，天之所奉也，病不为伤。”是夕，惠王之后蛭出，久病心腹之疾皆愈。

①本文见《新序·杂事》。

②《龙溪》本作：“令尹入问曰：‘王安得此疾也？’”

③《龙溪》本下有：“谴之而不行，其罪乎？是法废而威不立也，非所以使国闻也。”

④《龙溪》本作“故吾恐蛭之见也。”

⑤《龙溪》本下有“避席再而贺”五字。

⑥龙溪本此句上有：“臣闻天道无亲，惟德是辅。”

## 无忘在莒<sup>①</sup>

桓公与管仲、鲍叔、宁戚饮。鲍叔曰<sup>②</sup>：“祝吾君无忘在莒也，管仲无忘束缚而从鲁也，宁子无忘饭牛车下也。”公曰：“寡人与二大夫皆无忘夫子之言，齐之社稷必不废矣。”

①本文见《新序·杂事》

②《龙溪》本作“桓公谓鲍叔：‘姑为寡人祝乎？’鲍叔奉酒而起曰。”

## 善 善 恶 恶<sup>①</sup>

齐桓公出游，见国亡故郭氏之墟<sup>②</sup>，问野人曰：“郭氏曷为墟？”曰：“善善而恶恶<sup>③</sup>。”公曰：“善善恶恶，人之善行也，为墟何也？”野人曰：“善善不能行，恶恶不能去，是以谓墟也。”公归以语管仲，管仲曰：“君亦一郭氏也。”于是，公招野人而赏之。

①本文见《新序·杂事》。

②《龙溪》本作“于野见亡国故城郭氏之墟”。

③《龙溪》本此句上有“郭氏者”三字。

## 好学受规谏<sup>①</sup>

叶公诸梁问乐王鲋曰：“晋大夫赵文子为人何若？”对曰：“好学而受规谏。好学，智也；受规谏，仁也。江出汶山，其源若瓮口，至楚国，其广十里，无他故，其下流多也。人而好学受<sup>②</sup>谏，宜哉其立也。”

①本则见《新序·杂事》

②《龙溪》本下有“规”字。

## 翰 林 宿 儒<sup>①</sup>

王禹偁，翰林宿儒，累为迁客，请放金榜下诸生送于郊，奏可之。禹偁作诗谢曰：“缀行相送我何荣？老鹤乘轩愧谷莺。三入